



(64)

## न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

पुनर्विलोकन - 6518/2018/होशंगाबाद/भू.रा.

पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक

/2018 जिला-होशंगाबाद

अ. के. वार्ड नं. 10  
20-12-18  
प्रस्तुत प्राथमिक तर्क हेतु  
दिनांक 9-1-19

दस्तावेज नं. 10  
राजस्व मण्डल 20-12-18

चन्द्रभान पुत्र श्री छन्नूलाल कौरव  
निवासी- ग्राम कोठरी तहसील वनखेडी  
जिला - होशंगाबाद (म.प्र.)

..... आवेदक

विरुद्ध

श्रीमती यशोदा बाई पत्नी श्यामलाल यादव  
निवासी- झिरिया तहसील वनखेडी जिला -  
होशंगाबाद (म.प्र.)

..... अनावेदक

माननीय न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक PBR/निगरानी/होशंगाबाद/भू.रा.  
/2018/1430 में पारित आदेश दिनांक 01.11.2018 के विरुद्ध मध्यप्रदेश  
भू-राजस्व संहिता की धारा 51 के अधीन पुनर्विलोकन आवेदन-पत्र।

*[Handwritten signature]*

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक पुर्नविलोकन 6518/2018/होशंगाबाद/भूरा

प्रकरण क्रमांक स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
13-2-2019	<p>आवेदकपक्ष की ओर से अभिभाषक श्री ओपीशर्मा उपस्थित । उनके द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । यह रिव्यु इस न्यायालय के आदेश दिनांक 1.11.2018 के विरुद्ध प्रस्तुत किया गया है । म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में पुर्नविलोकन हेतु निम्नलिखित तीन आधारों का उल्लेख किया गया है :-</p> <p>(1) किसी नई और महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चलना जो कि सम्यक तत्परता के पश्चात भी उस समय जब आदेश किया गया था उस पक्षकार के ज्ञान में नहीं थी अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकती थी; या</p> <p>(2) मामले के अभिलेख से प्रकट भूल या गलती; या</p> <p>(3) अन्य कोई पर्याप्त आधार ।</p> <p>इस न्यायालय द्वारा उभयपक्ष की सहमति के आधार पर निगरानी समाप्त की गई है, जो पुनर्विलोकन का आधार नहीं है । अतः यह पुर्नविलोकन प्रथमदृष्टया आधारहीन होने से अग्रह्य किया जाता है ।</p>	<p>(मनोज गोयल) अध्यक्ष</p>